हरित क्रांति, श्वेत क्रांति के बाद नीली क्रांति आवश्यक – डॉ. जुयॉल

आज नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर में राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंध संस्थान (मैनेज), हैदराबाद एवं मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय, जबलपुर के संयुक्त तत्वाधान में मत्स्य पालन और जलीय कृषि में उद्यमिता विकास विषय पर चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. आर.एस.शर्मा माननीय कुलपति आर्युविज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर के मख्य आतिथ्य श्री रमन विजयन इंक्यूबेशन प्रबंधक मैनेज एवं डॉ. प्रयागदत्त जुयॉल माननीय कुलपति की अध्यक्षता में हुआ। इस अवसर पर डॉ. जुयॉल ने कहा कि देश में पहले से ही हरित क्रमांक एवं श्वेत क्रांति आ चुकी है, जिसके कारण कृषि के क्षेत्र में देश आत्मनिर्भर बन चुका है। दुग्ध उत्पादन में हम विश्व में प्रथम स्थान पर है। इसके बाद भी बढ़ती हुई जनसंख्या को गुणवत्तापूर्ण भोजन की प्राप्ति हतु अब समय आ गया है कि हमें नीली क्रांति लायें, जिससे मत्स्य उत्पादन व एक्वा कल्चर के द्वारा प्रोट्रीन युक्त भोजन प्राप्त हो सकें। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 4 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में तालाब मौजूद हैं, यदि हम उसका समुचित उपयोग करें तो मत्स्य पालकों एवं उत्पादकों की आर्थिक स्थिति में बहुत सधार हो सकता है। उन्होंने प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रदेश एवं देश से आये प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुये कहा कि प्रशिक्षण उपरोक्त स्वयं का उद्योग स्थापित कर स्वरोजगार प्रदान करें तथा आम जनता को सस्ते दर पर गुणवत्ता पूर्ण भोजन प्रदान करने हेतु मत्स्य उत्पादन बढ़ायें तथा गुणवत्तापूर्ण बीज का उत्पादन करें।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. आर.एस. शर्मा ने खेती एवं पशुपालन तो बहुत लोग करते है, अब मत्स्य पालन का समय आ गया है, इससे कम लागत में अधिक लाभ अर्जित किया जा सकता है। उन्होंने बताया की जो लोग मछली सेवन करते है उन्हें ह्दयाघात की संभावनाएं न के बराबर होती है। अतः इसका उपयोग किया जाना चाहिये। कार्यक्रम के डायरेक्टर एवं प्रभारी अधिष्ठाता डॉ. एस.के. महाजन ने कार्यक्रम की उपयोगिता बताई। श्रीमती वी. उषा रानी, आई.ए.एस., डायरेक्टर जनरल मैनेज एवं डॉ. सरवनन राज, डायरेक्टर कृषि विस्तार मैनेज के मार्गदर्शन में विशिष्ट अतिथि श्री रमन विजयन ने कहा कि फिशरी साइंस में डिग्री प्राप्त करने के बाद छात्रों को मत्स्य पालन करना चाहिये, जिससे स्वयं का रोजगार पैदा हो एवं अन्य लोगों को भी रोजगार प्रदान कर सकें। डॉ. सोना दुबे द्वारा कार्यक्रम में समन्वय किया गया।

इस आयोजन में डीन कालेज डॉ. आर.पी.एस. बघेल, डॉ. वाय.पी. साहनी, डॉ. ओ.पी. श्रीवास्तव, डॉ.जे.के. भारद्वाज, डॉ. बी.सी. सरखेल, डॉ. जी.पी. पाण्डेय, डॉ. एस.के. जोषी, डॉ. आर.के. शर्मा, डॉ. एन.के. जैन, डॉ. पी.सी. शुक्ला सहित समस्त प्राध्यापकों एवं प्रशिक्षणार्थियों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। कार्यक्रम को डॉ. सोना दुबे, डॉ. प्रीति मिश्रा, डॉ. माधुरी शर्मा एवं रौनक मिश्रा ने सफल बनाया। संचालन डॉ. आदित्य मिश्रा एवं आभार प्रदर्शन डॉ. एस.के. महाजन ने किया।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर